अंतर्राष्ट्रीय रसायन विज्ञान वर्ष

नवनीत कुमार गुप्ता

यह युग विज्ञान का युग है। विज्ञान जीवन के प्रत्येक पक्ष से सम्बंधित है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी ने विकास में अहम योगदान दिया है। आज विज्ञान अपने पारंपरिक रूपों जैसे रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, वनस्पति विज्ञान आदि के साथ-साथ अपने आधुनिक रूपों जैसे जैव प्रौद्योगिकी, नैनो टेक्नॉलॉजी, आण्विक जीव विज्ञान, नाभिकीय भौतिकी जैसी विधाओं से विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है।

विज्ञान को आम आदमी तक पहुंचाने तथा उसे समझाने के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। इसी प्रयास के तहत वर्ष 2011 को संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा अंतर्राष्ट्रीय रसायन विज्ञान वर्ष घोषित किया गया है। इससे पहले वर्ष 2005 को अंतर्राष्ट्रीय भौतिकी वर्ष घोषित किया गया था।

रसायन विज्ञान, विज्ञान की वह शाखा है जिसके अंतर्गत पदार्थों के भौतिक-रासायनिक गुणधर्मों, उनकी संरचना, उनमें होने वाले भौतिक, रासायनिक परिवर्तनों का अध्ययन किया जाता है। रसायन विज्ञान की अनेक शाखाएं हैं, जैसे कार्बनिक रसायन, अकार्बनिक रसायन, भौतिक रसायन, जैव रसायन, कृषि रसायन, विश्लेषण रसायन, नाभिकीय रसायन, संरचना रसायन, औद्योगिक रसायन, विद्युत रसायन, प्रकाश रसायन, संश्लेषित रसायन आदि। बीसवीं सदी के महान वैज्ञानिक लायनस पौलिंग के अनुसार "रसायन विज्ञान, वह विज्ञान है, जिसके अंतर्गत पदार्थों के गुणों, संरचना और उनमें होने वाले परिवर्तनों का अध्ययन किया जाता है।" असल में रसायन विज्ञान के लिए प्रयुक्त अंग्रेज़ी शब्द केमिस्ट्री की उत्पत्ति मिस्र देश के प्राचीन नाम कीमिया से हुई है जिसका अर्थ काला रंग था। मिस्र देश की मिट्टी का रंग काला होने के कारण उसे कीमिया कहा जाता था।

वर्ष 2011 को अंतर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष के रूप में मनाए जाने का उद्देश्य रसायन विज्ञान के प्रति जनमानस का ध्यान आकर्षित करने के साथ ही विश्वव्यापी समस्याओं, जैसे खाद्य सुरक्षा, संक्रामक रोगों की चुनौती, पानी का शुद्धिकरण आदि में रसायन विज्ञान की महत्ता को प्रतिपादित करना है। पर्यावरण स्वच्छता, स्वास्थ्य सुधार और नए रसायनों के निर्माण में रसायन विज्ञान की भूमिका से जनमानस को परिचित कराने के साथ इस क्षेत्र में नए अनुसंधानों के लिए छात्र-छात्राओं को रसायन विज्ञान के प्रति आकर्षित करना भी अंतर्राष्ट्रीय रसायन विज्ञान वर्ष के दौरान होने वाले आयोजनों का लक्ष्य रहेगा। 'रसायन विज्ञान - हमारा जीवन, हमारा भविष्य' को अंतर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष का ध्येय वाक्य चुना गया है।

अंतर्राष्ट्रीय विशुद्ध एवं प्रयुक्त रसायन विज्ञान संघ (इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड केमिस्ट्री, आईयूपीएसी) द्वारा वर्ष 2011 को अंतर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष के रूप में मनाने की प्रक्रिया आरंभ की गई है। इसी संस्था द्वारा गठित एक कार्यदल ने अंतर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष से सम्बंधित प्रारूप तैयार किया था और एक लंबी प्रक्रिया के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा दिसम्बर 2008 में वर्ष 2011 को अंतर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष के रूप में मनाने की घोषणा की गई। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इस आयोजन की मुख्य ज़िम्मेदारी आईयूपीएसी एवं यूनेस्को को सौंपी है।

आईयूपीएसी एवं यूनेस्को सहित अनेक संस्थाएं इस बात को लेकर प्रतिबद्ध हैं कि अंतर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष के दौरान दुनिया भर में रसायन विज्ञान के प्रति जागरूकता में वृद्धि करने वाले कार्यक्रमों का अधिक से अधिक आयोजन किया जाए। इनके अलावा विभिन्न संस्थाओं द्वारा भी यह प्रयास किया जाएगा कि इन कार्यक्रमों में जनमानस की अहम भागीदारी हो।

सन् 1911 में फ्रांस के पेरिस शहर में इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ केमिकल सोसाइटीज़ की स्थापना की गई थी। इस संस्था को ही बाद में इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड केमिस्ट्री यानी आईयूपीएसी नाम दिया गया था। वर्ष 2011 में यह संस्था अपनी स्थापना की सौवीं वर्षगांठ मना रही है। इस संस्था द्वारा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर रसायन विज्ञान के क्षेत्र में की गई सेवाएं महत्त्वपूर्ण

हैं। अंतर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष का महत्त्व इस बात से भी बढ़ जाता है कि ठीक सौ साल पहले आईयूपीएसी का गठन हुआ था। इसके अलावा वर्ष 2011 को अंतर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष के लिए इसलिए भी चुना गया है क्योंकि 100 बरस पहले सन् 1911 में मैरी क्यूरी को रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। हालांकि मैरी क्यूरी का यह दूसरा नोबेल पुरस्कार था; इससे पहले उन्हें सन् 1903 में भौतिकी के नोबेल पुरस्कार से नवाज़ा जा चुका था। इस प्रकार वर्ष 2011 आईयूपीएसी संस्था की स्थापना और मैरी क्यूरी को रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार मिलने का शताब्दी वर्ष है। इसी वर्ष प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय की 150 वीं जन्मशती भी है। इसलिए हमारे देश के लिए यह वर्ष विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय को भारत में आधुनिक रसायन विज्ञान का जन्मदाता कहा जाता है।

इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस जो प्रति वर्ष 28 फरवरी को मनाया जाता है की थीम भी **'दैनिक जीवन में रसायन'** थी। 28 फरवरी के दिन ही महान भारतीय वैज्ञानिक सर सी वी रमन ने अपने प्रयोग से दुनिया को अवगत कराया था जिसके कारण उन्हें भौतिक विज्ञान का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया गया था।

इस प्रकार अंतर्राष्ट्रीय रसायन वर्ष के माध्यम से जनमानस, वैज्ञानिकों और विद्यार्थियों को रसायन विज्ञान के प्रति आकर्षित करने के साथ ही उन्हें इस क्षेत्र में नवीन खोजों, अनुसंधानों व महत्त्वपूर्ण कार्य करने के लिए प्रेरित किया जा सकता है। ***(स्रोत फीचर्स)***